राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

ई-मेल director.rscert@rajasthan.gov.in फोन- 0294-2415202

क्रमांक: राराशैअप्रप-उदय/प्र-1/फा-1316/2020-21 दिनांक 14.01.2020

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं
पदेन जिला परियोजना समन्वयक,
समग्र शिक्षा अभियान समस्त जिले।

विषयः-विज्ञान मेला 2020-21 आयोजन दिनांक एवं दिशा निर्देश के संबंध में।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि विज्ञान मेला 2020-21 का आयोजन विद्यालय एवं जिला स्तर पर संलग्न निर्देशों के अनुसार करवाया जाना है। विद्यालय स्तर पर आयोजन तिथि. 27 जनवरी, 2021, जिला स्तर पर आयोजन तिथि- 8 फरवरी 2021 से 10 फरवरी 2021 (3 दिन) व राज्य स्तर पर आयोजन तिथि 24 फरवरी से 27 फरवरी 2021 (4 दिन)। इस कार्यक्रम में निम्नांकित प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।

1. प्रादर्श/ मॉडल प्रतियोगिता (जूनियर वर्ग कक्षा 6 से 8 तक एवं सीनियर वर्ग कक्षा 09 से 12 तक)
2. सेमिनार: विद्यार्थियों हेतु (कक्षा 9 से 12 तक)
3. क्विज प्रतियोगिता (कक्षा 6 से 8 तक)

संलग्न निर्देशों के अनुरूप आयोजन सम्पन्न करावें RSCERT. उदयपुर को जिला स्तर आयोजक स्थल का नाम, ईमेल, आईडी, आईएफसी कोड एवं विद्यालय खाता नम्बर परिषद् को दिनांक 20/01/2021 तक अनिवार्यतः भिजवाएँ।

संलग्नः

1. विज्ञान मेला 2020-21 के निर्देश
2. जिला स्तरीय आयोजक राजकीय विद्यालय की सूचना प्रपत्र
3. प्रतिवेदन प्रारूप
4. प्रपत्र स

(प्रियंका जोधावत)
R.A.S.
निदेशक
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर
दिनांक 14.01.2020

क्रमांकः राराशैअप्रप-उदय/प्र-1/फा-1316/2021
प्रतिलिपिः- सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु

1. आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
2. राज्य परियोजना निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
3. निदेशक, माध्यमिक/प्रार. शिक्षा, राजस्थान,बीकानेर।
4. संयुक्त निदेशक, (स्कूल शिक्षा), समस्त संभाग ।
5. जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्य. / प्रार. शिक्षा,

(धर्मेन्द्र कुमार जोशी)
उपनिदेशक
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

(पाठ्यचर्या, सामग्री निर्माण एवं मूल्यांकन प्रभाग)

विज्ञान मेला 2020-21

दिशा निर्देश

प्रस्तावना

सर्वप्रथम सन् 1968 में राज्य विज्ञान शिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा राज्य स्तरीय मेले का आयोजन प्रारम्भ किया गया। इसके पश्चात् प्रथम राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी 1971 में एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली में आयोजित की गई। एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा 1972 से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी एवं राज्य स्तर पर "विज्ञान मेलों" का आयोजन प्रारम्भ किया गया। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू की जन्म शताब्दी समारोह की शुरूआत के वर्ष 1988 से इस राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी का नाम 'बच्चों के लिए जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी' कर दिया गया।

राजस्थान में 1968 से लगातार राज्य स्तरीय विज्ञान मेला का आयोजन किया जा रहा है। सत्र 2017-18 से राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत विज्ञान मेले का आयोजन समग्र शिक्षा एवं एससीईआरटी उदयपुर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया जा रहा है।

विज्ञान मेले के प्रमुख उद्देश्य

- युवा पीढ़ी में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए रुचि जागृत कर उनमें वैज्ञानिक प्रवृत्ति उत्पन्न करना।
- विद्यार्थियों की अपनी स्वाभाविक जिज्ञासा एवं रचनात्मकता के लिए एक मंच उपलब्ध कराना, जहाँ वे अपनी ज्ञान पिपासा हेतु खोजबीन कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।
- विद्यार्थियों को अपने आस-पास हो रहे क्रियाकलापों में विज्ञान की उपस्थिति का अनुभव कराना और ज्ञान कराना कि हम भौतिक एवं सामाजिक पर्यावरण से अधिगम प्रक्रिया को जोड़कर ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं तथा अनेक समस्याओं का समाधान भी कर सकते हैं।
- विद्यार्थियों में अन्वेषण की आदत व सृजनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना और प्रादर्शों / मॉडलों अथवा सरल उपकरणों को स्वयं तैयार करने को प्रोत्साहित कर उनके मन:प्रेरक (psychomotor) और हस्तपरक कौशलों को प्रोन्नत करना।
- प्रतिभागियों में बौद्धिक ईमानदारी, दल-भावना और सौंदर्यपरकता उत्पन्न करना।
- समाज के उपयोग हेतु अच्छी गुणवत्ता एवं पर्यावरण अनुकूल सामग्री के उत्पादन हेतु विज्ञान एवं

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

- प्रौद्योगिकी की भूमिका पर जोर देना। विद्यार्थियों को भविष्य के प्रति दूरदर्शी बनाना तथा उन्हें संवेदनशील एवं जिम्मेदार नागरिक बनने हेतु प्रोत्साहित करना।
- कृषि, उर्वरकों, खाद्य प्रसंस्करण, जैव तकनीकी, हरित ऊर्जा, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, खगोल विज्ञान, क्रीड़ा तथा खेलकूद एवं जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने इत्यादि के क्षेत्रों में नए उपायों को तलाशने में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी की भूमिका की सराहना करना।
- दैनिक जीवन में आने वाली समस्याओं की सजीव कल्पना करने एवं उन्हें हल करने हेतु गणित को प्रयोग में लाना इत्यादि।

मेले की विस्तृत जानकारी

1. विज्ञान सम्बंधी प्रादर्शों के उपविषय एवं सेमिनार के विषय प्रतिवर्ष एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर केवल विज्ञान प्रदर्शनी का ही आयोजन होता है। इसके लिए प्रादर्शों का चयन राज्य स्तरीय विज्ञान मेले के श्रेष्ठ प्रादर्शों के आलेखों के आधार पर एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली द्वारा किया जाता है। राज्य में विज्ञान मेला इस वर्ष तीन चरण में आयोजित हैं। सर्वप्रथम विद्यालय स्तर तत्पश्चात् जिला स्तर तथा अंत में राज्य स्तर पर। राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले संभागी भाग ले सकेंगे। राज्य स्तर पर प्रथम रहे संभागी राष्ट्रीय स्तर पर संभागित्व करेंगे।

सामान्य निर्देश

विभिन्न स्तरों पर विज्ञान मेले के सफल आयोजन हेतु आपका ध्यान निम्नांकित बिन्दुओं की ओर आकर्षित किया जाता है 1. यह मेला निम्नलिखित स्तरों पर आयोजित किया जाएगा।

क्र.सं.	मेले का स्तर	अवधि	आयोजन दिनांक	उत्तरदायी अधिकारी
1	विद्यालय स्तर	1 दिन	27 जनवरी	प्रधानाचार्य/ प्रधानाध्यापक
2	जिला स्तर	3 दिन	8 फरवरी से 10 फरवरी 2021	मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
3	राज्य स्तर	4 दिन	24 फरवरी से 27 फरवरी 2021	निदेशक रा.रा.शै.अ.प्र.प., उदयपुर

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

1. इसमें सरकारी, पब्लिक और प्राइवेट, कैथोलिक, मिशन, सैन्य-बल के विद्यालय थल सेना, वायु सेना, नौ सेना, सैनिक, सीमा सुरक्षा बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, असम राइफल्स, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, पुलिस आदि डी.ए.वी. प्रबंधन, महर्षि विद्या मंदिर, सरस्वती विद्या मंदिर, नवयुग, नगरपालिका, भारतीय विद्या भवन, आदि में पढ़ रहे बच्चे भाग लेने के पात्र हैं। इसमें केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय समिति, परमाणु ऊर्जा आयोग एवं केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालय तथा क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान के बहुउद्देशीय प्रदर्शन विद्यालयों के विद्यार्थी भाग नहीं ले सकेंगे क्योंकि इनके लिए अलग से विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित होती है।
2. जिला/राज्य स्तरीय विज्ञान मेले का आयोजन NCERT एवम RSCERT के दिशा निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। एक संभागी किसी एक ही प्रतियोगिता में भाग ले सकेगा।
3. मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं संस्था प्रधान यह सुनिश्चित करें कि जिले के समस्त विद्यालयों में विज्ञान मेला अनिवार्यतः आयोजित किया जाए तथा विद्यालय स्तर पर प्रथम रहे संभागी जिला स्तर पर अनिवार्यतः भाग लें।
4. जिला शिक्षा अधिकारी (मु) माध्यमिक एवं मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ब्लॉक के समस्त विद्यालय (उच्च माध्यमिक/माध्यमिक विद्यालयों/उच्च प्राथमिक विद्यालय) को जिला स्तरीय विज्ञान मेले में भाग लेने के लिए पाबंद करे।
5. जिला एवं राज्य स्तरीय विज्ञान मेले के आयोजक/संयोजक राजकीय विद्यालय/संस्थान (डाइट) ही रहेंगे।
6. प्रमाण पत्र सभी प्रतिभागियों को दिया जाएगा।
7. यह विज्ञान मेला, शिक्षा विभाग का महत्त्वपूर्ण आयोजन है, इसमें अधिकाधिक सहभागिता से शिक्षा विभाग की विज्ञान लोकप्रियकरण की दिशा में सफलता परिलक्षित होगी। अतः मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, अपने जिले के जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय), माध्यमिक व प्रारम्भिक, सभी मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं संस्था प्रधानों को निर्देशित करें कि उच्च प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय जिला स्तरीय विज्ञान मेला में अनिवार्यतः भाग लें ।
8. जिला स्तरीय विज्ञान मेले में भाग नहीं लेने वाले विद्यालयों के संस्था प्रधानों के विरूद्ध मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अपेक्षित कार्यवाही सुनिश्चित करें तथा ऐसे विद्यालयों की सूची निदेशालय, माध्यमिक शिक्षा/प्रारम्भिक शिक्षा, राज. बीकानेर एवं परिषद् को प्रेषित करें।
9. जिला स्तरीय विज्ञान मेले में प्रत्येक प्रतियोगिता एवं उपविषय प्रादर्श में प्रथम स्थान प्राप्त एक ही प्रतियोगी राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में भाग ले सकेंगे।
10. प्रत्येक विद्यालय स्तरीय विज्ञान मेला का प्रतिवेदन जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक को अनिवार्यतः भेजा जाए। जिला स्तरीय विज्ञान मेला का प्रतिवेदन मेला समाप्ति के 7 दिवस में मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी से प्रतिहस्ताक्षर करा परिषद् को भिजवाना सुनिश्चित करे।

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

11. जिला स्तरीय विज्ञान मेला के प्रतिवेदन के साथ मेले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले संभागियों की सूची निम्नांकित प्रारूप में पूर्ति कर भेजें

क्र.सं.	नाम प्रतियोगिता	प्रथम स्थान प्राप्त छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	लिंग	कक्षा	विद्यालय	मार्गदर्शक शिक्षक का नाम	प्रादर्श का शीर्षक

12. कृपया यह सुनिश्चित करें कि परिषद द्वारा भेजे जा रहे समस्त निर्देश तथा प्रतियोगिता संबंधी जानकारी प्रत्येक सरकारी एवं निजी विद्यालय में अनिवार्य रूप से पहुँच जाए ताकि इन प्रतियोगिताओं में गुणवत्ता दिखाई दे, इसकी सूचना परिषद् को अवश्य भिजाएँ।
13. विज्ञान मेले में मूल्यांकन निर्णय व्यवस्था निष्पक्ष, पारदर्शी हो, यह सुनिश्चित किया जाए। मूल्यांकन में ध्यान रहे कि मेले में प्रत्येक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एक प्रतियोगी को ही मिले। यदि प्रथम स्थान पर दो प्रतियोगी आ जाते है, तो पुनः मूल्यांकन करा एक प्रतियोगी को विजेता घोषित करें। बने-बनाएँ प्रादर्शों के स्थान पर विद्यार्थियों द्वारा स्वयं बनाए गए प्रादर्शों को वरीयता दी जाए। निर्णायक एक दिन में ही मूल्यांकन कार्य सम्पन्न कर लें ऐसी व्यवस्था की जाए।
14. राज्य स्तर पर प्रादर्श का चयन होने पर 48 वां जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी 2020-21 हेतु प्रपत्र 1 मय रेखाचित्र प्रादर्श फोटो पोस्टकार्ड साईज दो प्रतियों में तथा 5 मिनिट की एक सी.डी. मय वीडियो प्रदर्शन भी संलग्न करना है, जिनमें निम्नानुसार जानकारी होना आवश्यक है- प्रादर्श का शीर्षक, प्रादर्श की कार्यप्रणाली, प्रादर्श का क्षेत्र, वैज्ञानिक सिद्धांत एवं अनुप्रयोग।
15. प्रादर्श व अन्य प्रतियोगिता सामग्री पर संभागी का नाम व विद्यालय का नाम नहीं लिखा हो इसे सुनिश्चित किया जाए। उस पर आवंटित कोड संख्या ही लिखी जाए।
16. इस वर्ष यह विज्ञान मेला RSCERTउदयपुर, एनसीईआरटी, नई दिल्ली एवं समग्र शिक्षा अभियान, जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में एनसीईआरटी व समग्र शिक्षा अभियान के निर्देशानुसार आयोजित किया जायेगा।
17. समग्र शिक्षा द्वारा आवंटित बजट को कक्षा 6 से 12 तक के प्रतिभागी विद्यार्थियों पर व्यय किया जाए।

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

18. दिव्यांगों के कल्याण से सम्बंधित निर्मित प्रादर्शों को प्रोत्साहित किया जाना है। इस हेतु सभी उपरोक्त उपविषय के प्रादर्श का एक समूह बनाकर उनका मूल्यांकन अलग किया जाकर उन्हें प्रोत्साहित/पुरस्कृत करे।
19. जिला स्तरीय विज्ञान मेला के आयोजन हेतु प्रति जिला 90000 रु की राशि का प्रावधान है जिसका व्यय समसा (समग्र शिक्षा अभियान) के वित्तीय प्रावधानों के अनुसार किया जायेगा।
20. मेले से संबंधित विभिन्न प्रतियोगिताएँ एवं उनके निर्देश आगे दिए गए हैं।
21. ज़िला स्तर पर प्रादर्श के 5 मिनिट के वीडियो की सी.डी./ ई-मेल द्वारा भी मंगवायी जाये।
22. NCERT एवं कोरोना गाइडलाइन्स को ध्यान में रखते हुए प्रतियोगिताओं का आयोजन ऑनलाइन/ऑफलाइन परिस्थितिजन्य होगा।
23. मेला आयोजन से पूर्व जिला स्तरीय अधिकारियों की एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला का RSCERT द्वारा आयोजन किया जाएगा।
24. निर्बाध नेटवर्क व पावरबेकअप की पूर्व व्यवस्था सुनिश्चित करें।
25. ऑनलाइन प्रतियोगिता आयोजन में लेपटाप को प्राथमिकता देवे।
26. मेला आयोजन का पेम्पलेट, पोस्टर व स्माइल ग्रुप द्वारा व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

कोरोना गाईडलाईन के दिशा निर्देशो को दृष्टिगत् रखते हुए आरएससीईआरटी उदयपुर द्वारा इस बार वर्चुअल मोड पर विज्ञान मेले का आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इस हेतु आपसे निम्नांकित पूर्व तैयारी अपेक्षित है।

प्रधानाचार्य हेतु निर्देश:-

- विद्यार्थियों को विज्ञान मेले के आयोजन की सूचना देवे एवं मेले के लिए प्रादर्श निर्माण हेतु कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों को प्रेरित करें।
- कोरोना गाइडलाईन के दिशा निर्देशो को दृष्टिगत् रखते हुए दिनांक: 27 जनवरी को विद्यालय स्तरीय विज्ञान मेले का आयोजन करें।
- मेले से संबंधित मार्गदर्शन हेतु यदि विद्यार्थी, विद्यालय आना चाहता है तो विद्यार्थी अपने अभिभावक से स्वीकृति लेकर ही आवे।
- उपरोक्त मुख्य व उपविषयों को ध्यान में रखते हुए जूनियर व सीनियर वर्ग में श्रेष्ठ प्रादर्श का चयन करें।

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

चयनित विद्यार्थियों का निर्धारित गुगल फोर्म पर विद्यालय मेल आईडी से पंजीकरण करना होगा जिसका लिंक जिशिअ (माध्यमिक) मुख्यालय को आरएससीईआरटी द्वारा भेजा जाएगा। प्रधानाचार्य पंजीकरण से पूर्व विद्यार्थी के प्रादर्श का भली भांति भौतिक रुप से अवलोकन कर ले। किसी भी विद्यार्थी का प्रादर्श ब्लाक/जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन हेतु मंगवाया जा सकता है।

- विद्यार्थी को वर्चुअल मोड पर प्रस्तुतीकरण हेतु प्ले स्टोर से गुगल मीट डाउनलोड करना होगा यह सुनिश्चित करें।
- चयनित विद्यार्थियों को ऑनलाइन वर्चुअल प्रस्तुतीकरण हेतु पूर्व तैयारी करावे।
- विद्यालय में नेटवर्क समस्या होने पर विद्यार्थी को वर्चुअल प्रस्तुतीकरण हेतु निकटतम विद्यालय जहाँ नेटवर्क समस्या न हो, वहाँ ले जाने की पूर्व व्यवस्था सुनिश्चित करे।
- प्रत्येक संभागी को अपने प्रादर्श के प्रस्तुतीकरण हेतु अधिकतम सात मिनिट का समय दिया जाएगा। इसमें विद्यार्थी को अपने प्रादर्श निर्माण के उद्देश्य, वैज्ञानिक सिद्धान्त, कार्यविधि व उपयोगिता बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुतीकरण के लिए 5 मिनिट का समय दिया जाएगा एवं निर्णायकों द्वारा शेष 2 मिनिट में मॉडल से संबंधित प्रश्नोत्तर किए जाएगें। अतः संभागी इस हेतु मॉडल के प्रस्तुतीकरण के निर्धारित बिन्दुओं को दृष्टिगत् रखते हुए 5 मिनिट की स्क्रिप्ट लिखित रुप में तैयार कर अभ्यास कर लेवें।
- मॉडल का आकार सीमित रखे व पोर्टेबल हो, उसका आकार बड़ा नही हो। बड़े मॉडल को एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने में समस्या हो सकती है।
- मार्गदर्शक शिक्षक पूर्व अभ्यास के दौरान यह सुनिश्चित कर ले कि प्रस्तुतीकरण के दौरान कैमरे का फोकस एवं एंगल इस तरह रहे कि जिस तथ्य को प्रदर्शित करना चाहता है वह निर्णायकों को स्पष्ट रुप से परिलक्षित हो।
- गुगल फार्म में पंजीकरण हेतु संभागी से संबंधित निम्नांकित सूचनाओं की आवश्यकता रहेगी अतः उक्तानुसार समस्त सूचनाए एकत्र कर ले।

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

पंजीयन प्रपत्र

संभागी छात्र/छात्रा का नाम:

पिता का नाम:

लिंग (छात्र/छात्रा):

वर्ग (अजा/अजजा/अपिव/सामान्य):

कक्षा:

जन्म दिनांक:

विद्यालय का नाम:

ब्लाक का नामः

जिले का नाम:

प्रादर्श का नाम:

प्रतियोगिता उपविषय का नाम:

विद्यालय ई-मेल आई डी:

संभागी मोबाइल नंः

संस्था प्रधान का मोबाइल नं. :

विद्यालय का प्रकार (राजकीय/निजी):

शहरी/ग्रामीण:

मार्गदर्शक शिक्षक का नाम:

मार्गदर्शक शिक्षक का मोबाइल:

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने विद्यार्थी द्वारा तैयार प्रादर्श का अवलोकन कर लिया है जिला /राज्य स्तर पर प्रादर्श प्रदर्शन हेतु वांछित होने पर तत्काल उपलब्ध करा दिया जाएगा।

संस्था प्रधान

मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी हेतु निर्देश:

अपने अधीनस्थ समस्त संस्था प्रधान उ.प्रा.वि./मा.वि./उ.मा.वि. में इस विज्ञान मेले का व्यापक प्रचार प्रसार करें।

आरएससीईआरटी उदयपुर द्वारा आपके ब्लाक के समस्त पंजीकृत विद्यार्थियों के डेटा को लिंक पर आपसे शेयर किया जाएगा। इस लिंक द्वारा समय- समय पर आपके ब्लाक से संबंधित पंजीकृत विद्यार्थियों की प्रगति से अवगत होते रहे तथा अधिक से अधिक विद्यालय इस विज्ञान मेले में सहभागित्व करे, यह सुनिश्चित करें। विद्यालय स्तरीय विज्ञान मेले की आवश्यक मॉनिटरिंग करे तथा आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करे।

जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक **हेतु निर्देश:**

अपने अधीनस्थ समस्त संस्था प्रधान उ.प्रा.वि./मा.वि./उ.मा.वि. में इस विज्ञान मेले का व्यापक प्रचार प्रसार करें।

आरएससीईआरटी उदयपुर द्वारा आपके जिले के समस्त पंजीकृत विद्यार्थियों के डेटा को लिंक द्वारा आपसे शेयर किया जाएगा जिससे उन्हें अपने जिले के समस्त पंजीकृत संभागियों के डेटा की जानकारी मिल सकेगी।

संभागियों के बेच इस प्रकार तैयार करे कि अधिकतम तीन दिवस में समस्त संभागियों का मूल्यांकन हो सके।

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

निर्णायकों की नियुक्ति:

जैसा कि विदित है कि उक्त प्रतियोगिता का आयोजन वर्चुअल मोड पर किया जा रहा है। अतः दो कम्प्यूटर दक्ष कार्मिक को भी जोड़ा जाना सुनिश्चित करें।

विद्यार्थियों के थीमवार मूल्यांकन हेतु 3-3 निर्णायकों का दल गठित करें जिला स्तर पर प्रादर्श प्रतियोगिता के मूल्यांकन हेतु 3-3 निर्णायकों की प्रतिनियुक्ति करें जिसमें उपविषय के अनुसार भौतिक विज्ञान/रसायन विज्ञान/गणित/दिव्यांग कल्याण /आई.टी./के विषय होने चाहिए।

निर्णायक हिंदी व अंग्रेजी भाषा में प्रश्न करने में सक्षम हो।

दिव्यांग व्यक्तियों हेतु उपयोगी प्रादर्श के मूल्यांकन हेतु निर्णायक दल में संबंधित विषय विशेषज्ञ को भी जोड़ा जाना सुनिश्चित करें।

प्रादर्श जिला स्तरीय विज्ञान मेले हेतु निर्णायकों की पूर्व तैयारी बैठक ऑनलाइन मोड पर आयोजित करें उसमें मूल्यांकन संबंधी समस्त दिशा निर्देश देवे।

प्रादर्श प्रतियोगिता हेतु निर्देश:

गतिविधि-1 विज्ञान प्रादर्श प्रतियोगिता

मुख्य विषय – **प्रौद्योगिकी और खिलौने** (Technology and Toys)

उपविषय	1	पर्यावरण अनूकूल सामग्री (Eco Friendly Material)
	2	स्वास्थ्य, स्वास्थ्य-रक्षा और स्वच्छता (Health,Hygiene and Cleanliness)
	3	इंटरएक्टिव सॉफ्टवेयर (Interactive Software)
	4	ऐतिहासिक विकास (Historical Development)
	5	गणितीय मॉडल (Mathemetical Modelling)

उपर्युक्त सूचीबद्ध क्षेत्र सुझाव के लिए है विद्यार्थी "प्रौद्योगिकी और खिलौने" (Tecnology and toys) में शामिल किसी अन्य क्षेत्र को चुनने और प्रादर्शों का विकास करने के लिए स्वतंत्र है।

संभागी : कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थी (जूनियर वर्ग)

कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी (सीनियर वर्ग)

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

1. प्रादर्श प्रदर्शन प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थी जूनियर वर्ग में तथा कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थी सीनियर वर्ग में भाग ले सकेंगे।
2. प्रादर्श प्रदर्शन प्रतियोगिता में एनसीईआरटी द्वारा निर्धारित उपविषयों में से प्रत्येक उपविषय में एक-एक विद्यार्थी भाग ले सकेगा।
3. विद्यार्थी स्वयं प्रादर्श का निर्माण करें व बने-बनाए प्रादर्श के उपयोग से सदैव बचा जाए। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों के स्वयं की सृजनशीलता, कल्पना, तकनीक कौशल, कर्म कौशल एवं शिल्प कौशल को वरीयता दी जाए।
4. प्रादर्श मितव्ययी (कम लागत के), सुवाह्य (पोर्टेबल) एवं टिकाऊ हो। प्रादर्श आकर में अत्यन्त बड़े नहीं हों ताकि इन्हें स्थानान्तरित करने में कठिनाई नहीं आए।
5. गत सत्रों के किसी भी प्रादर्श को दोहराया नहीं जाए तथा प्रादर्श इस सत्र के मुख्य विषय/उपविषय से संबंधित हो। प्रादर्श के मूल्यांकन हेतु तीन सदस्यीय दल का गठन किया जाए। एक ही दिन में तीनों निर्णायक पृथक-पृथक मूल्यांकन करें, जिसे समेकित कर परिणाम की घोषणा की जाए।
6. उपविषय के बारे में विस्तृत जानकारी एनसीईआरटी की वेबसाइट-www.ncert.nic.in से डाउन लोड की जा सकती है।

अंक निर्धारण :

विद्यार्थी की सृजनात्मकता /कल्पनाशीलता का समावेश	मौलिकता /नवाचार	वैज्ञानिक सोच/ उपागम/ सिद्धान्त	तकनीकी कौशल कर्मकौशल शिल्प कौशल	सामान्यजनों एवं बालकों के लिए उपयोगिता/ शैक्षिक महत्व	मितव्ययी/ सुवाह्य/ टिकाऊपन	प्रस्तुतीकरण	योग
20 अंक	15 अंक	15 अंक	15 अंक	15 अंक	10 अंक	10 अंक	100 अंक

गतिविधि-2 - विद्यार्थी सेमीनार

संभागी : कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थी समयावधि : 6 मिनिट प्रति संभागी विषय :- "दैनिक जीवन में विज्ञान और **प्रोद्यौगिकी** का **कार्यान्वयन** " **(Implementation of Science and Technology in Daily Life)**

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

सेमिनार आयोजन के दिशा निर्देश :

1. विद्यालय स्तर पर आयोजित सेमिनार में विद्यालय के कक्षा 9 से 12 के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे।
2. विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले संभागी जिला स्तर पर भाग ले सकेंगे।
3. विद्यार्थी की सेमिनार वेबिनार मोड के अनुसार होगी जिसका लिंक जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा मुख्यालय द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।
4. सेमिनार के प्रतिवेदन की पीडीएफ कॉपी प्रतियोगिता आयोजन के दो दिन पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय) के ईमेल आईडी पर भिजवानी होगी।
5. जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय) द्वारा प्रतियोगिता आयोजन के एक दिवस पूर्व निर्णायको को पीडीएफ कॉपी उपलब्ध करायी जायेगी ताकि वे मूल्यांकन प्रपत्र में पहले कॉलम में अंकन कर सकेंगे।
6. इसमें संभागी अपने द्वारा किए गए कार्य एवं उसके प्रतिवेदन को सहायक सामग्री यथा चार्ट, पोस्टर, कम्प्यूटर/लेपटोप, मॉडल का प्रयोग कर दर्शको एवं निर्णायको के समक्ष प्रदर्शित करेगे।
7. दिए गए विषय पर अपने द्वारा किए गए कार्य का प्रतिवेदन निर्णायकों के समक्ष भी प्रस्तुत करना होगा।
8. निर्णायकों द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नो का उत्तर देना होगा (अधिकतम दो प्रश्न)
9. प्रतियोगी संभागी को अपने प्रतिवेदन की प्रति तथा कुल 500 शब्दों में सारांश की प्रति प्रस्तुतीकरण के समय मूल्यांकन शीट के कॉलम संख्या-2 में अंक प्रदान करने के लिए प्रस्तुत करनी होगी।
10. प्रतिवेदन पर संभागी की पहचान संबंधित विवरण यथा- नाम, विद्यालय इत्यादि अंकित नहीं हो, यह सुनिश्चित किया जाए। प्रतिवेदन पर केवल कोड नं. ही अंकित होना चाहिए।
11. मूल्यांकन निम्नांकित प्रपत्र में तीन निर्णायकों द्वारा किया जाए। मूल्यांकन में शोध/क्रियाकलाप आधारित प्रायोजना को महत्त्व दिया जाए। यदि संभागी शोध अध्ययन करता है तो उसे अपना शोध प्रतिवेदन निम्नांकित बिन्दुओं के आधार पर तैयार करना चाहिए तथा शोध में न्यूनतम 50 न्यादर्श लिए जाए

    1. शीर्षक 2. प्रस्तावना, आवश्यकता एवं महत्त्व 3. उद्देश्य 4. प्रक्रिया 5. दत्त संकलन 6. दत्त विश्लेषण 7. निष्कर्ष 8. अध्ययन के संबंध में आपके प्रयास एवं सुझाव 9. अनुवर्तन 10 आभार एवं धन्यवाद ज्ञापन 11 संदर्भ साहित्य

प्रतिवेदन एवं समग्र कार्य	शोध सांराश प्रस्तुतीकरण				
	विषय से संगतता,	सहायक सामग्री का यथोचित	तर्क संगतता	प्रश्नोत्तर	योग

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

	स्पष्टता एवं मौलिकता	एवं प्रभावी उपयोग			
50 अंक	15 अंक	15 अंक	10 अंक	10 अंक	100 अंक

गतिविधि 3 - विज्ञान एवं क्विज प्रतियोगिता निर्देश

1. इस प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 8 के विद्यार्थी ही भाग लेंगे। विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाला एक विद्यार्थी जिला स्तर पर भाग ले सकेगा। विद्यालय स्तर पर चयनित विद्यार्थी को निर्धारित गूगल फॉर्म द्वारा विद्यालय की मेल आईडी से पंजीकरण कराना होगा जिसका लिंक जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक मुख्यालय के माध्यम से आरएससीईआरटी द्वारा भेजा जाएगा। प्रधानाचार्य पंजीकरण से पूर्व विद्यार्थी की समस्त जानकारी एवं क्विज संबंधी वर्चुअल तैयारी का प्रबंधन कर लेवे। राज्य स्तर पर प्रति जिला एक संभागी ही भाग लेगा।
2. इस प्रतियोगिता में क्विज नियंत्रक का निर्णय ही सर्वमान्य होगा।
3. मौखिक क्विज प्रतियोगिता का पाठ्यक्रम कक्षा 6 से 8 विज्ञान व गणित विषय का होगा।
4. यह प्रतियोगिता दो चरणों में आयोजित होगी।

(अ) प्रथम चरण - क्वालिफाइंग राउंड

इसके अंतर्गत ऑनलाइन परीक्षा होगी। जिसका मुख्य उद्देश्य प्रतियोगी छात्र-छात्राओं की विषय आधारित जानकारी का परीक्षण कर उन्हे मौखिक परीक्षा के चरण में प्रवेश देना है। प्रश्नों की संख्या-60, पूर्णांक-60 अंक, प्रश्नों के प्रकार- बहुचयनात्मक, अवधि-60 मिनट, चयन अधिकतम अंक तथा कम समय में प्रश्न पत्र हल करने वाले प्रतिभागियों का होगा।

प्रतिविषय अंक भार- 10 अंक

विषय क्षेत्र - (1) भौतिक (2) रसायन (3) जीव विज्ञान (4) गणित (5) पर्यावरण एवं स्वच्छ भारत (6) विज्ञान के विविध क्षेत्र ।

इन विषय क्षेत्रों में से प्रत्येक से 10-10 प्रश्न पूछे जाएंगे। जिला स्तर के लिए क्वालीफाइंग परीक्षा का आयोजन मेले के प्रथम दिवस में किया जाएगा जिसके लिए जिला स्तर पर एक प्रश्न पत्र तैयार किया जाएगा यह परीक्षा ऑनलाइन माइक्रोसोफ्ट फार्म के माध्यम से होगी। सभी विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त अंकों

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

की वरीयता सूची बनाई जाएगी। इस बार प्रतियोगिता वर्चुअल होने के कारण जिलास्तरीय क्विज प्रतियोगिता में ऑनलाइन परीक्षा के जिले की वरीयता सूची में जिला स्तर पर प्रथम 12 स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों के परिणाम की घोषणा प्रथम दिन ही की जाएगी। तथा राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में ऑनलाइन परीक्षा के राज्य की वरीयता सूची में प्रथम 12 स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों के परिणाम की घोषणा प्रथम दिन ही की जाएगी। यदि उक्त परीक्षा में अंतिम स्थान पर एक से अधिक विद्यार्थियों के समान अंक आए तो उन्हें 20 प्रश्नों का अतिरिक्त प्रश्न पत्र 15 मिनट में हल करने हेतु दिया जाएगा। तीन समूह निम्नानुसार बनाए जाए-

समूह	**मेरिट नम्बर**			
प्रथम	1	6	7	12
द्वितीय	2	5	8	11
तृतीय	3	4	9	10

(ब) द्वितीय चरण - मौखिक अभिव्यक्ति: वर्चुअल होने के कारण जिला स्तर पर मौखिक अभिव्यक्ति मेरिट नम्बर 1-12 समूह के लिए द्वितीय चरण (मौखिक अभिव्यक्ति) के आगे दिए गए दो चक्र - **प्रश्नोंत्तर चक्र** एवं **दृश्य श्रव्य** चक्र आयोजित किए जाए। समूह में सर्वाधिक अंक प्राप्त प्रतियोगी को उस समूह का विजेता घोषित किया जाएगा।

- ऑनलाइन मौखिक अभिव्यक्ति चरण का आयोजन गूगल मीट के माध्यम से किया जाए।
- प्रत्येक समूह के लिए द्वितीय चरण (मौखिक अभिव्यक्ति) के आगे दिए गए दो चक्र - **दृश्य श्रव्य** एवं **प्रश्नोंत्तर चक्र** आयोजित किए जाए। इसमें समूह में सर्वाधिक अंक प्राप्त प्रतियोगी को उस समूह का विजेता घोषित किया जाए एवं इस प्रकार तीनों समूह के विजेता के लिए चौथा व अंतिम चक्र (फाइनल राउण्ड) आयोजित करें। राज्य स्तरीय विज्ञान मेले में जिला स्तर पर प्रथम रहा विद्यार्थी भाग ले सकेगा।
- विज्ञान विषय एवं ऑनलाइन प्रोद्यौगिकी के विशेषज्ञ वरिष्ठ प्राध्यापक/ शिक्षक को क्विज नियंत्रक नियुक्त किया जाए एवं क्विज प्रतियोगिता में क्विज प्रतियोगिता के संचालन के लिए विज्ञान विषय एवं ऑनलाइन प्रोद्यौगिकी के प्राध्यापक को क्विज मास्टर्स के रूप में नियुक्त किया जाए जो प्रतियोगियों से प्रश्न पूछेगे। साथ ही दो शिक्षकों को टाइम कीपर तथा स्कोरर के

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

रूप में नियुक्त किया जाए। जिला स्तर पर क्विज नियंत्रक एवं क्विज मास्टर्स की नियुक्ति मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा की जाएगी जो आरएससीईआरटी द्वारा प्रशिक्षित होने चाहिए।

सामान्य निर्देश:

1 राज्य स्तर पर आयोजित ऑनलाइन टेस्ट का लिंक आरएससीईआरटी द्वारा आयोजन तिथि को निर्धारित समय से आधा घंटा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी को उपलब्ध कराया जाएगा व उक्त लिंक सम्बंधित जिला शिक्षा अधिकारी निर्धारित तिथि व समय पर विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य के माध्यम से लिंक उपलब्ध करवाएंगे।

2 जिला स्तर पर आयोजित ऑनलाइन टेस्ट का लिंक जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा निर्धारित तिथि व समय पर विद्यार्थियों को प्रधानाचार्य के माध्यम से लिंक उपलब्ध करवाएंगे।

3 राज्य स्तर पर आयोजित ऑनलाइन टेस्ट से संबंधित प्रश्न पत्र का निर्माण आरएससीईआरटी द्वारा गठित विषय विशेषज्ञों के दल द्वारा व जिला स्तर पर आयोजित ऑनलाइन टेस्ट से संबंधित प्रश्न पत्र का निर्माण सम्बंधित जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा गठित विषय विशेषज्ञों के दल द्वारा किया जायेगा

4 जिला स्तर पर क्विज नियंत्रक एवं क्विज मास्टर्स की नियुक्ति मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा की जाएगी।

5 क्विज टीम डेमो प्रश्नों के माध्यम से प्रतिभागियों को जोड़ कर ऑनलाइन प्रक्रिया का पूर्व अभ्यास कर लेवे।

6 प्रश्न एक ही बार बोला जाएगा। सभी प्रतियोगी प्रश्न ध्यानपूर्वक सुनेंगे। प्रश्न की पुनरावृत्ति नहीं की जाएगी। प्रत्येक चक्र में उत्तर देने की अवधि निश्चित है। उत्तर देने की अवधि प्रश्न समाप्त होने के पश्चात् प्रारम्भ होगी।

7 ऑनलाईन क्विज प्रतियोगिता के दौरान किसी संभागी से लिंक टूट जाने पर उसे पूनः जोड़कर, प्रश्न बदलकर प्रक्रिया को पूर्ण किया जाए।

8 प्रत्येक पंचायत प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी क्विज परीक्षा के लिए तकनीकी दक्ष व अन्य विषय (विज्ञान अथवा गणित विषय को छोड़कर) के शिक्षक को पर्यवेक्षक नियुक्त करें जो गुगलमीट द्वारा मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के संपर्क में रहेगा।

9 सम्भागी सम्बंधित पंचायत प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी के पर्यवेक्षण मे ऑनलाइन टेस्ट देंगे।

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

प्रथम प्रश्नोंत्तर चक्र इस चक्र में अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। प्रति संभागी प्रश्नों की संख्या 5 (प्रत्येक विषय से 1-1)

प्रति प्रश्न अंक भार - 5 अंक

उत्तर देने की अवधि - 20 सैकण्ड प्रति प्रश्न भार

विषय क्षेत्र

भौतिक रसायन जीव विज्ञान गणित एवम् विज्ञान के विभिन्न क्षेत्र

इस चक्र में प्रत्येक प्रतियोगी से पाँचों क्षेत्रों से एक-एक प्रश्न पूछा जाएगा। इसमें अवबोध योग्यता प्रदर्शित करने वाले एवं अनुप्रयोग आधारित (Application based) प्रश्न भी पूछे जाएंगे।

द्वितीय दृश्य श्रव्य चक्र

इसमें दृश्य-श्रव्य सामग्री का प्रदर्शन करके प्रश्न पूछा जाता है अतः इस चक्र को दृश्य श्रव्य चक्र कहा जाता है।

प्रति संभागी प्रश्नों की संख्या - 1 प्रति विषय कुल 5

प्रति प्रश्न अंक भार - 15 अंक

उत्तर देने की अवधि - 10 सैकण्ड

इस चक्र में गलत जवाब देने पर प्रति गलत जवाब 5 अंक काटे जायेंगे ।

टीम के समक्ष श्रव्य-दृश्य सामग्री यथा प्रयोग, चार्ट, मॉडल, चित्र, यंत्र, उपकरण, स्लाइड आदि से प्रदर्शन किया जाए। प्रदर्शन के बाद सामग्री हटा ली जाए तथा प्रदर्शित सामग्री पर आधारित प्रश्न पूछा जाए।

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

(पाठ्यचर्या, सामग्री निर्माण एवं मूल्यांकन प्रभाग)

ई-मेल director.rscert@rajasthan.gov.in फोन- 0294-2415202

क्रमांकः राराशैअप्रप-उदय/प्र-1/फा-1316 /2020 दिनांक 14.01.2021

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा समस्त जिले

विषय :- विज्ञान मेला 2020-21 हेतु आयोजक राजकीय विद्यालय की सूचना भिजवाने के क्रम में।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि जिला स्तरीय विज्ञान मेला 2020-21 दिनांक 08 से 10 फरवरी 2021 तक आपके जिले में आयोजित किया जाना है। इस हेतु आपके जिले से एक राजकीय उमावि/ बाउमावि का चयन कर निम्नांकित प्रारूप में सूचना email ID पर शीघ्र भिजवावे ताकि राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, समग्र शिक्षा जयपुर द्वारा सम्बंधित राजकीय विद्यालय को राशि भिजवाई जा सके।

आपको यह भी निर्देशित किया जाता है कि जिला स्तरीय आयोजित विद्यालय की Email Id भिजवाना सुनिश्चित करे जिससे प्रतियोगिता से संबंधित समस्त पत्रावली सीधे ही आयोजित विद्यालय को भी भिजवाई जा सके।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता आयोजक विद्यालय का नाम व पता	सस्था प्रधान का			SBI बैंक का विवरण (विद्यालय)			
	नाम	मोबाईल न.	ई मेल आईडी	खाता धारक का नाम	खाता संख्या	बैंक ब्रान्च	आईएफएससी कोड

नोटः- SBI खाते का ही विवरण भिजावे ।

इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देवें।

(प्रियंका जोधावत)
R.A.S.
निदेशक,
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर
दिनांक 14 .01.2021

क्रमांकः राराशैअप्रप-उदय/प्र-1/फा-1316 /2020

प्रतिलिपिः- सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु

1. राज्य परियोजना निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर।
2. निदेशक, माध्यमिक/प्रारंभिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर ।
3. संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा समस्त संभाग।
4. जिला शिक्षा अधिकारी (मु.) माध्य./ प्रार. समस्त जिले।

(धर्मेन्द्र कुमार जोशी)
उपनिदेशक
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

विद्यालय/जिला स्तरीय विज्ञान मेला 2020-21

प्रतिवेदन

दिनांक .....से दिनांक .....तक

जिला..... आयोजन स्थल का नाम ..... मेला संयोजक संस्था प्रधान का नाम फोन नं. एवं मोबाइल नं

1. प्रस्तावना
2. **उद्घाटन** समारोह (विवरण दें)
3. संभागियों का विवरण

(क) प्रादर्श प्रदर्शन प्रतियोगिता

क्र.सं.	उपविषय	संभागी		
		छात्र	छात्रा	योग

(ख) अन्य प्रतियोगिताएं

क्र.सं.	नाम प्रतियोगिता	संभागी		
		छात्र	छात्रा	योग

(ग) कुल संभागी : छात्र -------छात्रा --------- योग ----------

(घ) जिला स्तर पर प्रत्येक प्रतियोगिता में भाग लेने विद्यालयों का विवरण

क्र.सं.	प्रतियोगिता का नाम	राजकीय विद्यालय	निजी विद्यालय	कुल संख्या

4. प्रत्येक गतिविधि का विवरण- (दिनांक सहित देवें)

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

5. निर्णायकों की सूची

क्र.सं.	प्रतियोगिता का नाम	नाम निर्णायक	पद	पदस्थापन स्थान	शैक्षिक योग्यता	मोबाइल नं.

6. लाभान्वित दर्शकों की संख्या

विद्यार्थी	शिक्षक	अभिभावक एवं अन्य	योग

7. समापन समारोह– (विवरण दें)

हस्ताक्षर
मेला संयोजक /प्रधानाचार्य
जिला स्तरीय विज्ञान मेला

हस्ताक्षर
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
जिला ..... मोहर सहित

(नोट- उक्त प्रतिवेदन के साथ प्रादर्श एवं प्रतियोगिताओं में जिला स्तर पर प्रथम स्थान पर रहे संभागियों की सूची निम्नांकित प्रारूप में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए निदेशक RSCERT, उदयपुर एवं राज्य परियोजना निदेशक, राज.स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर को प्रेषित करें।)

क्र.सं.	नाम	प्रतियोगिता एवं प्रादर्श	प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्रा का नाम	पिता का नाम	लिंग	कक्षा	विद्यालय	मार्गदर्शक शिक्षक	प्रादर्श का शीर्षक

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

पंजीयन पत्र-'स'

राज्य स्तरीय विज्ञान मेला 2020-21

(प्रादर्श एवं अन्य सभी प्रकार की प्रतियोगिताओं के लिए)

संभागी का (जिला स्तरीय विज्ञान मेले में प्रथम स्थान प्राप्त प्रत्येक विद्यार्थी द्वारा भरा जाए) आवक्ष फोटो प्रति हस्ताक्षर

- जिला स्तरीय विज्ञान मेला आयोजन स्थल
- मेला संयोजक
- आयोजन दिनांक :
- प्रतियोगिता उपविषय का नाम
- प्रादर्श (मॉडल) का नाम/ प्रतियोगिता का विषय
- संभागी छात्र/छात्रा का नाम ।

Sex	Male	Female

श्रेणी	SC	ST	OBC	Gen

(जो उपयुक्त हो उस पर सही अंकित करें)

पिता का नाम-- -

फोन नंबर एवं मो. न. विद्यालय

- कक्षा/पद ------ जन्म तिथि-----
- अध्ययनरत् विद्यालय का नाम----
- विद्यालय का प्रकार (जो उपयुक्त हो उस पर / अंकित करें)

(राजकीय/ स्थानीय निकाय/ सहायता प्राप्त / बिना सहायता प्राप्त निजी संस्था/अन्य..... शहरी /ग्रामीण अंकित करें)

मार्गदर्शक शिक्षक का नाम मय पद ----------

हस्ताक्षर
मार्गदर्शक शिक्षक

हस्ताक्षर
जिला मेला संयोजक प्रधानाचार्य मय सील

हस्ताक्षर
मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी
जिला ..... मोहर सहित

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

(पाठ्यक्रम परिचर्या, सामग्री निर्माण एवं मूल्यांकन प्रभाग)

ई-मेल director.rscert@rajasthan.gov.in फोन- 0294-2415202

क्रमांक: राराशैअप्रप-उदय/प्र-1/फा-1316/2020 दिनांक 14 .01.2021

प्रधानाचार्य

राउमावि/राबाउमावि जिला

विषय :- जिला स्तरीय विज्ञान मेला 2020-21 के संबंध में।

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि जिला स्तरीय विज्ञान मेला-2020-21 का आयोजन आपके विद्यालय में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम हेतु आयोजित विद्यालय को राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर से विज्ञान मेले हेतु आवंटित राशि रू. 90000 रू. (अक्षरे नब्बे हजार रूपये मात्र) भिजवाए जाऐगे। उक्त राशि आपके खाता संख्या में स्थानान्तरित की जावेगी अथवा बैंक ड्राफ्ट/चेक/ ऑनलाईन द्वारा भिजवाया जाएगी। जिसका बजट पेटर्न निम्न है –

जिला स्तरीय विज्ञान मेले हेतु बजट –

क.स.	मद (कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों हेतु)	राशि
1	पुरस्कार अ. मॉड्ल/ प्रादर्श (सीनियर जूनियर) प्रथम -2 x 6 X 1000 = 12000 द्वितीय -2 x 6 x 800 = 9600 तृतीय -2 x 6 x 500 = 6000 ब. विज्ञान सेमिनार प्रथम -1 X 1000 = 1000 द्वितीय -1 x 800 = 800 तृतीय-1 x 500 = 500 स. क्विज प्रतियोगिता प्रथम -1 X 1000 = 1000/ द्वितीय -1 x 800 = 800/ तृतीय -1 x 500 = 500/	32200/
2	निर्णायकों का मानदेय (जिला स्तर पर 500/-)	25000/-
3	कन्टीजेन्सी/प्रचार-प्रसार/ऑनलाईन-ऑफलाईन/ आकस्मिक व्यय	5000/-
4	जलपान एवं भोजन व्यवस्था	5000/-
5	प्रमाण-पत्र	800/-
6	वीडियोग्राफी/फोटोग्राफी/ अभिलेख संधारण	2000/-
7	पेनड्राइन, ऑनलाईन आयोजन हेतु आवश्यक डेटा व्यय,रिचार्ज व्यय, कम्प्यूटर एसेसरी, नेट सम्बन्धी व्यय, अन्य व्यय	20000/-
	योग	**90000/-**

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी एवं विषय संबंधी पत्र जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय) द्वारा प्राप्त हो गया होगा या प्राप्त कर लेवें। कार्यक्रम आयोजन से पूर्व प्रचार.प्रसारकिया जाये ।जिससे अधिकाधिक विद्यालय भाग ले सकें।

आपसे अनुरोध है कि मेला समाप्ति के सात दिवस में व्यय, विवरण, उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं प्रतिवेदन प्रपत्र भरकर परिषद् को अनिवार्य रूप से भिजवाएँ। बजट पेटर्न के मदानुसार ही व्यय किया जावे एवं किसी मद में बची हुई राशि लौटाई जावे। बजट पेटर्न की सीमा से यदि किसी मद में व्यय का आधिक्य हो तो पुनर्भरण की जिम्मेदारी आपकी स्वयं की होगी। मूल बाउचर्स आपके विद्यालय में संधारित किये जाएंगे। यदि राशि शेष हो तो ड्राफ्ट बनाकर भिजवावे। \

संलग्न:- व्यय विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र

(प्रियंका जोधावत)
आर.ए.एस.
निदेशक,
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर

दिनांक 14.01.2021

क्रमांक: राराशैअप्रप-उदय/प्र-1/फा-1316/21

प्रतिलिपि:- सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु

1. राज्य परियोजना निदेशक रास्कूशिप, जयपुर।
2. निदेशक, माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर
3. संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, समस्त संभाग।
4. मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी समस्त जिले को भेजकर लेख है कि उक्त कार्यक्रम हेतु विद्यालय को आवश्यक निर्देश प्रदान करावें।

(धर्मेन्द्र कुमार जोशी)
उपनिदेशक
राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान
एवं प्रशिक्षण, परिषद्, उदयपुर

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

कार्यालय कमांक:
दिनांक

जिला स्तरीय विज्ञान मेला 2020-21

उपयोगिता प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि राज्य परियोजना निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर द्वारा एसबीआई आनॅलाईन या नेफ्ट/चेक द्वारा विद्यालय के खाता सख्या .... दिनांक ..... में जिला स्तरीय विज्ञान मेला 2020-21 हेतु प्राप्त राशि रू. क्रमशः 90000/-रू. (अक्षरे नब्बे हजार रूपये मात्र) का रोकड पुस्तिका के पृष्ठ संख्या .. .. पर इन्द्राज कर लिया गया है। जिसका बजट पैटर्न नियमानुसार जिले के विद्यालयों के कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए जिला स्तरीय विज्ञान मेला हेतु उपयोग में लिया गया है। विवरण एवं बचत राशि ..... अक्षरे ..... का ऑनलाईन/बैंक ड्राफ्ट/चेक क्रमांक .... ..दिनांक ..... बैंक का नाम ..... राज्य परियोजना निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर के खाते (जिस खाते से राशि प्राप्त हुई है) में जमा करा दी गयी है। उपयोगिता प्रमाण पत्र एवं व्यय विवरण की एक प्रति निदेशक RSCERT उदयपुर को प्रेषित की जा रही है। मूल वाउचर्स कार्यालय अभिलेख में सुरक्षित रख लिए गए हैं।

हस्ताक्षर
प्रधानाचार्य/ जिला स्तरीय विज्ञान मेला आयोजक
मय सील

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner

व्यय विवरण प्रारूप

1. कार्यालय/विद्यालय का नाम -------
2. जिला
3. कार्यक्रम का नाम ----------
4. दिनांक

आवंटित राशि -

रोकड़ पुस्तिका में प्राप्ति दिनांक ----------

रोकड़ पुस्तिका में पृष्ठ संख्या ----------

क्रंस	बिल का दिनांक व क्रमांक	फर्म का नाम	बिल की राशि	रोकड पुस्तिका पृष्ठ संख्या व दिनांक

व्यय विवरण (ब)

क्रंस	मद	मदानुसार आंवटित राशि	व्यय राशि	शेष राशि

कुल प्राप्त राशि ----------

व्यय राशि ----------

शेष राशि ----------

हस्ताक्षर

प्रधानाचार्य/ जिला स्तरीय विज्ञान मेला आयोजक

मय सील

www.rajteachers.com

Scanned with CamScanner